

ज्ञोह्यत्रो अग्निः प्रथमः पितृव 2, 10, 1. स नो युवेन्द्रो ज्ञोह्यत्रः सखा शिवो न-  
रामस्तु पाता 20, 3; vgl. *ḥonv áyaśóc.*

ज्ञोमर n. (sc. व्याकरणा) die von Gúmara verfasste Grammatik Co-  
LEBR. Misc. Ess. II, 43.

ज्ञोलायन *gaṇa* रेणुकार्यादि zu P. 4, 2, 54. ज्ञोलायनभक्त n. die von den  
ḡ. bewohnte Gegend ebend.

ज्ञोकृत्व adj. von 2. ब्रूह् KĀTĪ. ÇR. 6, 7, 6.

ज्ञोहात्यादिक (von बुद्धाति [3te sg. von बु] + आदि) adj. zu der mit  
बु beginnenden d. i. zur 5ten Klasse (der Wurzeln) gehörig SIDDH. K.  
zu P. 3, 1, 56.

1. ज्ञ (von ज्ञा) P. 3, 1, 135. VOP. 26, 32. 1) adj. f. आ a) kundig, 'Etwas  
kennend, vertraut mit ÇAT. BR. 14, 7, 2, 3. ज्ञस्यैकत्वपृथक्त्वयोः MBH. 12,  
12028. Häufig incomp. mit dem Objecte: अर्ध्यायज्ञ M. 4, 102. विधिज्ञ 5, 33.  
इङ्गिताकारचेष्टज्ञ 7, 63. धर्मज्ञ 141. सर्वज्ञ N. 20, 6. अज्ञज्ञ 14, 22. कृपज्ञ 23, 5.  
अतिविज्ञ MBH. 13, 1597. R. 1, 1, 2, 4, 11. ÇĀK. 53, 19. RAḠH. 1, 92. HIT. 7,  
20. VID. 128. f. N. 8, 12. R. 1, 9, 8. 54, 13. 2, 63, 8. 13. 3, 39, 17. Vgl. कृतज्ञ,  
नेत्रज्ञ u. s. w. — b) intelligent, Einsicht habend, verständig AK. 2, 7,  
5. 3, 4, 8, 36. H. 341. an. 1, 8. MED. ú. 1. ज्ञाज्ञौ दावज्ञावीशानीशौ ÇVE-  
RĀÇV. UP. 1, 9, 6, 17. क्रियासु वाङ्मन्यतरमध्यमानु सन्यक्प्रयुक्तानु न क-  
म्यते ज्ञः PRAÇNOP. 3, 6. VARĀH. BRH. 17, 23. 20 (19), 10. 23 (22), 11. BUĀG.  
P. 7, 8, 11. 9, 24. Vgl. अज्ञ. — 2) m. a) die denkende Seele SĀMKBHAK. 2.  
— b) Budha, der Planet Mercur AK. 3, 4, 8, 36. H. 117. H. an. MED.  
VARĀH. BRH. S. 17, 28. 104, 22. LAGHÚG. 1, 8. 2, 6. fgg. 4, 2. 8, 4. fgg. BRH.  
1, 6. fgg. 2, 1. fgg. SÚRJAS. 1, 29, 7, 13. 9, 2, 3. 12, 84. — c) der Planet  
Mars DHAR. im ÇKDR. — d) Bein. Brahman's H. an. MED. — Vgl. 2. ज्ञा

2. ज्ञ = ज्ञु = ज्ञानु Knie in ऊर्ध्वज्ञ.

ज्ञक, f. ज्ञका und ज्ञिका demin. von 1. ज्ञ P. 7, 3, 47. VOP. 4, 7.

ज्ञता (von ज्ञ) f. 1) am Ende eines comp. das Kennen, Vertrautsein  
mit: कृपज्ञता N. 19, 24. — 2) Intelligenz, Erkenntniss: आत्मनि तथा  
नापवाकरणे ज्ञता JĀGŪ. 3, 142.

ज्ञप् s. u. dem caus. von ज्ञा.

ज्ञप्ति (von ज्ञप् f. 1) das Kennenlernen, Gewissheit-über-Etwas-Er-  
langen: तज्ञप्तये KATHĀS. 23, 57. — 2) Intelligenz, Erkenntniss AK. 1, 1,  
1, 10. H. 308. ज्ञतेर्यथार्थज्ञानस्य करणम् Sch. zu ĠAIM. 1, 1, 5. — 3) das  
Bekanntmachen: हेराफल ° VARĀH. BRH. 1, 2.

ज्ञमन्य (ज्ञम्, acc. von ज्ञ, + मन्य) adj. sich für klug haltend RĀGA-  
TAR. 3, 491.

1. ज्ञा, जानीति, जानीते DHĀTUP. 31, 36. P. 7, 3, 79. VOP. 8, 70; (वि) ज्ञा-  
नते 3. sg. MBH. 13, 5204. ज्ञानाय VS. 18, 60. (प्रति) ज्ञानथ MBH. 2, 842;  
जानीतात्, जानत MBH. 2, 2397; अन्यन्जानीथाः 2. sg. imperf. 14, 1641;  
ज्ञास्यति, °ते; ज्ञौ, ज्ञे; अज्ञासीत्, अज्ञास्त, (प्र) ज्ञेषम्; ज्ञायात् und ज्ञे-  
यात् P. 6, 4, 68. pass. ज्ञायते, ज्ञास्यते und ज्ञायिष्यते BHATT. 16, 40, 41; अ-  
ज्ञायि; ज्ञात. 1) kennen, wissen, eine Kenntniss von Etwas oder Jmd  
haben; erkennen, innwerden, merken, kennen lernen, erfahren: पशामी  
अन्यो अन्यं न जानन् VS. 17, 47. नाभिं जानानाः शिर्षवः समार्यान् AV. 12,  
3, 40. अज्ञां जानीधे वि भजामि तान्वेः 11, 1, 5. न जानीमो नयता बद्धमेतम्  
RV. 10, 34, 4. AV. 7, 60, 2, 3. तं हेयं ज्ञातोवाच ÇAT. BR. 11, 5, 4, 5. हृद-  
येन हि रूपायि ज्ञानाति 14, 6, 21. अज्ञायि तिरस्तमसश्चिद्रून् RV. 6,

65, 1. जानत्यङ्कः प्रथमस्य नाम 1, 123, 9. 156, 3. 3, 31, 6. अत्रा सखायः स-  
ख्यानिं जानते 10, 71, 2. एवा हि मां तवसें ब्रुचुस्यम् 28, 7. — नामधेयस्य  
ये केचिद्भिवादं न जानते M. 2, 123. यस्य मखं न जानन्ति 7, 148. 9, 330.  
सर्वः सर्वं न जानाति MBH. 3, 2815. नाज्ञासिधं मूला द्वन्द्वाह्वाने फलद्वयम्  
1, 4861. जानता ज्ञातिमात्मनः 3, 14072. त्वमत्र हेतुं जानीषे SĀV. 6, 35. त-  
स्याहं तपसो वीर्यं जानानः MBH. 1, 999. धर्मस्य जानमानो ऽहं गतिम् 3,  
1413. पद्येतदेवमज्ञास्यम् 2, 2600. सेवकानो ज्ञाने सेवापरिश्रमम् RĀGA-TAR.  
5, 197. ज्ञास्यत्यन्यव्ययो ध्रुवम् 198. न चापि जानीम तवेह नाथम् MBH. 3,  
15391. न क्रमप्यत्र ग्रामे जानीमः PAÑKĀT. 35, 17. R. 1, 1, 7. अज्ञायमानापि  
सती सुखमस्म्युषिता त्वयि MBH. 3, 2711. अभियेके न जानामि ich weiss  
nichts von der Weihung, habe nichts darüber gehört R. 2, 75, 3, 4. नैष  
जानाति नैषधम् MBH. 3, 2903. नापि जानामि मैथिलीम् । यस्तं ज्ञास्यति तं  
ज्ञास्ये दग्धः स्वं ब्रुपमास्थितः R. 3, 73, 42. तं च पापं न जानीमो यदि दग्धः  
पुरोचनः MBH. 1, 5879. न हि स ज्ञायते वीरो नलो जीवति वा न वा 3,  
2769. सखो ते ज्ञानुमिच्छामि वैखानसे किमनया व्रतम् — निषेवितव्यम्  
ÇĀK. 13, 19. जानन्नापि हि मेधावी अडवहोका अचरेत् M. 2, 110. 8, 103.  
यश्च — जानानो ऽपि न भाषते MBH. 1, 914. सा जानती व्यापय नः 3, 15697.  
14064. ज्ञाना यूयं न जानीधे धर्मः सूक्तो हि 2, 1340. ÇUK. 45, 1. भवतो ज्ञा-  
नते यथा BUĀG. P. 2, 8, 7. ज्ञाने भवान्पुरप्रवेशादित्यभूतः संवृतः ÇĀK. 63, 7.  
VID. 158. KATHĀS. 7, 6. अथ जानाति वार्धेयः वा नु राजा नलो गतः MBH.  
3, 2902. न च ज्ञायेत कस्य सः (पुत्रः) M. 9, 170. न ज्ञाने भोक्तारं कमिह स-  
मुपस्थास्यति विधिः ÇĀK. 43, 13. ÇRĀGĀRAT. 4. जानीषे त्वं यथा राजा सम्य-  
ग्वृत्तः सदा त्वयि N. 8, 13. mit einem inlin. verstehen P. 3, 4, 63. Sch. zu  
3, 1, 7. न स जानाति देवितुम् MBH. 2, 1720. 5, 1075. न ज्ञाने वक्तुं त्वक्तमै-  
तदनुमिति DAÇAK. in BENF. CHR. 187, 21. — न जानाति अग्निर्गन्धिमा-  
त्मनः M. 3, 113. एवं स्वभावं ज्ञावामाम् 9, 16. ज्ञास्यसे बलमात्मीयम् MBH.  
4, 1924. ज्ञावा तेषामभिप्रायम् BRAHMA-P. in LA. 30, 17. HIT. 24, 18. आ-  
पत्सु मित्रं जानीयात् I, 66. KĀN. 21. कथं हि देवाज्ञानीयाम् N. 3, 12. न त्वं  
दृष्ट्वा न पुनरलंका ज्ञास्यसे wiedererkennen MEGH. 64. नाश्चन्द्रो ऽश्मज्ञा-  
सीत् R. 2, 91, 55. तदेवाज्ञासिधं नेयमस्तीति भारती MBH. 7, 6536. मा ज्ञा-  
सीस्त्वं सुवी रामो पदकार्षीत् BHATT. 13, 9. ततावज्जानामि कस्यायं शब्दः  
ich will in Erfahrung bringen PAÑKĀT. 21, 8. जानीहि को न्वस्या नाथ इ-  
त्येव MBH. 3, 15586. 2890. 1, 5936. गच्छ जानीहि राधवम् forsche nach  
R. 3, 31, 1. मम स ज्ञायतां मुहूर्त् MBH. 12, 6409. जानीहि धातरं विडरं  
मम । यदि जीवति 3, 269. जानीहि सौम्यैनां कस्य वात्र कुतो ऽपि वा 15584.  
Mit dem acc. des obj. und praed. Jmd kennen als, wissen, innwerden,  
merken, dass: जानीयादस्थिरां वाचमुत्सिक्तमनसो तथा M. 8, 71. 9, 295.  
तस्य मां तनयो सर्वे जानोत MBH. 3, 2476. 13605. 1, 5950. वाणान् — ज्ञा-  
नानो ऽप्यन्तयान् 8, 796. BENF. CHR. 22, 17. SĀV. 6, 34. नाज्ञासिधमहं पूर्व-  
मनित्यं कालपर्ययम् HARIV. 7091. R. 1, 59, 2. MEGH. 6. 81. मुहूर्त् सर्वभूतानां  
ज्ञावा माम् BHAG. 3, 29. भावेष्यमेव तज्ञावा R. 1, 9, 64. ज्ञास्यत्यथ समा-  
गत्य मयात्मानं बलाधिकम् MBH. 1, 5996. यथा च वो न जानीयाद्भवतो मम  
शासनात् 3, 2739. वसतं तत्र नाज्ञासीत् 4, 2255. चिरायमाणां मां ज्ञावा 1,  
6016. R. 1, 42, 1. DAÇ. 1, 39. ज्ञावा माम् — विप्रार्थं समुपागताम् BRAHMA-P.  
in LA. 31, 9. VER. 25, 3. ansehen für, halten: आत्मानं देवतामेव — ज्ञा-  
नतः (तस्य) RĀGA-TAR. 3, 352. NAIŠH. 10, 32. kennen, kennen lernen, mit  
dem gen.: जानन्मे HARIV. 7095. ज्ञानुमिच्छामि ते MBH. 3, 2154. bekannt,  
vertraut sein: ऊर्धा ते अर्नु मून्ता मनस्तिष्ठतु जानन्ती RV. 1, 134, 1. ज्ञा-